

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 228]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 2, 2013/भाद्र 11, 1935

No. 228]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 2, 2013/BHADRA 11, 1935

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिसूचना

मुम्बई, 2 सितंबर, 2013

प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) (संशोधन) विनियम, 2013

- सं. एलएडी / एनआरओ / जीएन / 2013 2014 / 21 / 6463. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 11 और धारा 30 के साथ पठित प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4, 8क और 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—
- 1. इन विनियमों को प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) (संशोधन) विनियम, 2013 कहा जा सकेगा।
 - 2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
 - 3. प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012 में -
 - (I) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में, खंड (ञ) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित हो जायेगा, अर्थात्
 - "(ञ) "नैटिंग" से प्रतिभूतियों के क्रय तथा विक्रय से उद्भूत परस्पर बाध्यताओं या दावों का समंजन या समायोजन करके मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के समाशोधन सदस्यों के शुद्ध भुगतान या की सुपुर्दगी बाध्यताओं का समाशोधन निगम द्वारा अवधारण अभिप्रेत है, जिनमें समाशोधन निगम या स्टॉक एक्सचेंज द्वारा भावी तारीख को निपटान हेतु स्वीकृत संव्यवहारों के पर्यवसान, ऐसी परिस्थितियों में जो समाशोधन निगम उप-विधियों में विनिर्दिष्ट कर सकेगा, से उद्भूत दावे और बाध्यताएँ सम्मिलत हैं, ताकि केवल शुद्ध दावे की मांग हो, या शुद्ध बाध्यता की देनदारी हो।"
 - (II) विनियम 44 के पश्चात्, निम्नलिखित नये विनियम अंतःस्थापित किये जायेंगे, अर्थात् "निपटान और नैटिंग

- 44क. (1) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में संव्यवहार की बाबत भुगतान और निपटान का अवधारण ऐसे मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की उप-विधियों में यथा विनिर्दिष्ट नैटिंग या सकल प्रक्रिया के अनुसार किया जायेगा, भारतीय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड के पूर्व अनुमोदन से।
- (2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट पक्षकारों के बीच संव्यवहार, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की उप-विधियों के अधीन किया गया, की बाबत भुगतान और निपटान अंतिम, अप्रतिसंहरणीय और ऐसे पक्षकारों पर आबद्धकर होगा।
- (3) जब निपटान अंतिम और अप्रतिसंहरणीय हो गया हो, तब, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की उप-विधियों के अनुसार उसकी निपटान या अन्य बाध्यताओं हेतु व्यापारिक सदस्य, समाशोधन सदस्य या ग्राहक द्वारा अभिदत्त किन्हीं संपार्श्विकों या जमाओं या मार्जिनों को विनियोजित करने के, यथास्थिति, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के अधिकार को, यथास्थिति, उक्त व्यापारिक सदस्य, समाशोधन सदस्य या ग्राहक के किसी अन्य दायित्व या के प्रति किसी अन्य दावे की अपेक्षा प्राथमिकता होगी।

स्पष्टीकरण—शंकाओं के निराकरण के लिए, यह एतद्वारा घोषित किया जाता है कि इस विनियम में निर्दिष्ट निपटान, चाहे सकल हो या शुद्ध, अंतिम और अप्रतिसंहरणीय है जैसे ही ऐसे निपटान के परिणामस्वरूप संदेय धनराशि, प्रतिभूतियों या अन्य संव्यवहारों का अवधारण हो जाता है, चाहे ऐसी धनराशि, प्रतिभूतियाँ या अन्य संव्यवहार वास्तव में संदत्त किये गये हों या न किये गये हों।

समाशोधन निगम का अधिकार

44ख. मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों) के समाशोधन सदस्यों से देय, जो उनके समाशोधन और निपटान कृत्यों के निर्वहन से उद्भूत हों, की वसूली समाशोधन सदस्यों के संपार्श्विकों, जमाओं और आस्तियों से किये जाने के मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (निगमों) के अधिकार को, समाशोधन सदस्यों के किसी अन्य दायित्व या के प्रति किसी अन्य दावे की अपेक्षा प्राथमिकता होगी।"

यू.के. सिन्हा, अध्यक्ष

विज्ञापन—III/4 / असाधारण / 69 जैडबी / 13

पाद टिप्पण :

1. प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2012, फा. सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2012-13/07/13546, 20 जून 2012 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Mumbai, the 2nd September, 2013

SECURITIES CONTRACTS (REGULATION) (STOCK EXCHANGES AND CLEARING CORPORATIONS) (AMENDMENT) REGULATIONS, 2013

- **No. LAD-NRO/GN/2013-2014/21/6463.**—In exercise of the powers conferred by sections 4, 8A and 31 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 read with Sections 11 and 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations to further amend the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2012, namely:—
 - 1. These Regulations may be called the Securities Contracts (Regulation)(Stock Exchanges and Clearing Corporations) (Amendment) Regulations, 2013.
 - 2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - 3. In the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2012—
 - (I) in regulation 2, in sub-regulation (1), for clause (j) the following shall be substituted, namely—

"(j) "netting" means the determination by Clearing Corporation of net payment or delivery obligations of the clearing members of a recognised clearing corporation by setting off or adjustment of the inter se obligations or claims arising out of buying and selling of securities including the claims and obligations arising out of the termination by the Clearing Corporation or Stock Exchange, in such circumstances as the Clearing Corporation may specify in bye-laws, of the transactions admitted for settlement at a future date, so that only a net claim be demanded, or a net obligation be owed."

(II) after regulation 44, the following new regulations shall be inserted, namely—

" Settlement and netting

- **44 A.** (1) The payment and settlement in respect of a transaction in a recognized stock exchange and recognized clearing corporation shall be determined in accordance with the netting or gross procedure as specified in the bye-laws of such recognized stock exchange and recognized clearing corporation, with the prior approval of the Securities and Exchange Board of India.
- (2) Payment and settlement in respect of a transaction between parties referred to in sub-regulation (1), effected under the bye-laws of a recognized stock exchange or recognized clearing corporation, shall be final, irrevocable and binding on such parties.
- (3) When a settlement has become final and irrevocable, the right of the recognized stock exchange or the recognized clearing corporation, as the case may be, to appropriate any collaterals or deposits or margins contributed by the trading member, clearing member or client towards its settlement or other obligations in accordance with the bye-laws of the recognised stock exchange or recognized clearing corporation shall take priority over any other liability of or claim against the said trading member, clearing member or client, as the case may be.

Explanation.—For removal of doubts, it is hereby declared that the settlement, whether gross or net, referred to in this regulation is final and irrevocable as soon as the money, securities or other transactions payable as a result of such settlement is determined, whether or not such money, securities or other transactions is actually paid.

Right of Clearing Corporation.

44B. The right of recognised clearing corporation(s) to recover the dues from its clearing members, arising from the discharge of their clearing and settlement functions, from the collaterals, deposits and the assets of the clearing members, shall have priority over any other liability of or claim against the clearing members."

U. K. SINHA, Chairman [ADVT-III/4/Exty./69 ZB/13]

Footnote:

1. The SC(R)(Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2012 were published in the Gazette of India on 20th June, 2012 *vide* F. No. LAD-NRO/GN/2012-13/07/13546.